cityभास्कर
दैनिक भास्कर
bhaskarhindi.com
नागपुर . मंगलवार, 11 अप्रैल 2017

नीर सेतु जूट के जरिए खेती

नागपुर के 15 वर्षीय श्रीनभ अग्रवाल ने बनाया मॉडल

सिटी भास्कर | नागपुर

हम अक्सर यही देखते हैं कि खेती के लिए पानी की आवश्यकता चाहिए। वर्तमान में हमारा देश इस समस्या से दो-चार भी हो रहा है। ऐसा नहीं है कि यह समस्या कुछ दिनों बाद खत्म हो जाएगी। आज हमारे देश में जिस तेजी से खेत व गांव नष्ट होते जा रहे हैं, उसे देखते हुए यह कहना बेमानी नहीं कि पानी की समस्या जस की तस ही रहने वाली है या फिर स्थिति और भी गंभीर होने वाली है। आधुनिक कृषि अनुसंधानों के जरिए कृषि उत्पादन तेजी से बढ़ा है। किसानों की समस्या को देखते हुए सीएसआई आर नीरी में आयोजित मॉडल कॉम्पीटिशन में नागपुर के 15 वर्षीय श्रीनभ अग्रवाल ने मॉडल बनाया है। श्रीनभ ने खेती जैसे सामाजिक विषय को ध्यान में रखते हुए नीर-सेतु नया तरीका प्रस्तुत किया है। इसमें जूट के जाल को खेत में बिछाकर तिगुनी फसल, दस गुना पानी का कम इस्तेमाल करके अच्छी फसल प्राप्त की जा सकती है। श्रीनम ने बताया कि जूट पानी को अपने भीतर ज्यादा समय तक रखकर खेत की जमीन को सूखने से बचाता है और साथ ही खेत को ज्यादा समय तक गीला रखकर पौधों को सूखने से बचाता है। इसके जरिए छोटी खेती को बचाया जा सकता है। नीरी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार ने श्रीनभ की इस सोच और उसके मॉडल की बहुत प्रशंसा की। श्रीनभ को ट्रॉफी और देकर सम्मानित किया गया। बकौल श्रीनभ इस खेती के नए तरीके से किसानों को एक नई उम्मीद मिल सकेगी और उन्हें आत्महत्या नहीं करनी पड़ेगी। नीर सेतु एक जीवन सेतु का काम करेगा।